*Enhanced Edition
NEP 2020 Guidelines

ज्ञान सरोवर हिंदी व्याकरण

अध्यापक सहायक-पुस्तिका

1

YBPL

YELLOW BIRD PUBLICATIONS PVT. LTD.
EDUCATIONAL PUBLISHER

ज्ञान सरोवर हिंदी व्याकरण कक्षा-1

अध्याय-1 – भाषा

अभ्यास कार्यः (पेज 9-10)

(क) 1. (स), 2. (ब), 3. (स) 4. (ब), 5. (ब)

(ख) 1. मौखिक 2. मौखिक 3. लिखकर 4. समाचार पत्रों 5. हिंदी 6. भाषाएँ

(ग) 1. ✗ 2. ✓ 3. ✓ 4. ✗ 5. ✓

विविध- (पेज 11)

इनके द्‌वारा उत्पन्न ध्वनियाँ भाषा इसलिए नहीं कहलातीं, क्योंकि इन ध्वनियों का कोई सार्थक अर्थ नहीं होता। ये ध्वनियाँ हमें समझ भी नहीं आतीं।

पेज 12

मुझे हिंदी भाषा पसंद है, क्योंकि–

(क) यह मेरी मातृभाषा है।

(ख) हिंदी अत्यंत सरल भाषा है।

(ग) मुझे हिंदी भाषा की कहानियाँ व कविताएँ पढ़ने में बहुत आनंद आता है।

(घ) मुझे हिंदी भाषा बोलते हुए गर्व का अनुभव होता है।

कुछ प्रमुख भाषाएँ

हिंदी, पंजाबी, गुजराती, मद्रासी, बंगाली, राजस्थानी, उर्दू, संस्कृत

अध्याय-2 – वर्ण और वर्णमाला

अभ्यास कार्यः (पेज 21-22)

(क) 1. (ब), 2. (स), 3. (ब) 4. (ब), 5. (स)

(ख) 1. ध्वनियों 2. वर्ण 3. अनुस्वार 4. चंद्रबिंदु 5. लिपि

(ग) 1. ✗ 2. ✗ 3. ✓ 4. ✓ 5. ✓ 6. ✓

लिखितः

(क) 1. जिस मूल ध्वनि के खंड न किए जा सकें, उसे वर्ण कहते है।

2. किसी भाषा के समस्त वर्णों के क्रमबद्ध समूह को 'वर्णमाला' कहते हैं।

3. अनुस्वार	अनुनासिक
(i) वर्ण के ऊपर लगाए जाने वाले बिंदु को अनुस्वार कहते हैं।	(i) वर्ण के ऊपर लगाए जाने वाले चंद्रबिंदु को अनुनासिक कहते हैं।
(ii) इसका चिह्न (ं) होता है।	(ii) इसका चिह्न (ँ) होता है।
(iii) इसके उच्चारण में नाक से वायु निकलती है।	(iii) इसके उच्चारण में कंठ से निकलने वाली वायु नाक और मुख से बाहर निकलती है।
(iv) उदाहरण– पंख, गंगा, अंग आदि।	(iv) उदाहरण– माँ, चाँद, साँप आदि।

(ख)

क वर्ग –	क	ख	ग	घ	ङ
च वर्ग –	च	छ	ज	झ	ञ
ट वर्ग –	ट	ठ	ड	ढ	ण
त वर्ग –	त	थ	द	ध	न
प वर्ग –	प	फ	ब	भ	म

पेज 23

(ग) सयुंक्त व्यंजन ये चार हैं–

क्ष त्र ज्ञ श्र

(घ) घोड़ागाड़ी पंख कंघी साँप

(ङ) 1. क्ष = क् + ष 2. त्र = त् + र 3. ज्ञ = ज् + य
4. श्र = श् + र

पेज 23

विविध

अनुस्वार
1. अंक
2. सतरंगी
3. जंगल
4. अंतर
5. मंदिर

अनुनासिक
1. गाँव
2. आँख
3. लाँघ
4. जाँघ
5. पाँच

अध्याय-3 – वर्ण संयोग

पेज 27-28

(क) 1. (ख), 2. (ख), 3. (ख), 4. (क), 5. (क)

(ख) 1. आधा 2. पाई 3. बिना पाई 4. स्वर युक्त

(ग) 1. ✓ 2. ✗ 3. ✓ 4. ✓

विविध

(क) 1. संयुक्त व्यंजन : क्ष, त्र

2. प्रत्येक शब्द कुछ वर्णों से मिलकर बनता है। शब्द रचना के लिए प्रयुक्त इन वर्णों को शब्द की वर्तनी कहते हैं।

(ख) मक्खी, कीड़ा, कुत्ता, लट्टू, पत्ता

अध्याय-4 – स्वरों की मात्राएँ

पेज 32-33

(क) 1. (स), 2. (अ), 3. (ब), 4. (ब), 5. (स)

(ख) कोट शेर मेज कौआ गाय बकरी भेड़ खरगोश मोर

पेज 34

उल्लू कुरसी चूहा प्याला पेड़ बिल्ली जिराफ़ हाथी साइकिल

लिखित

(क) 1. 'अ' के अतिरिक्त जब दूसरे स्वर व्यंजनों से मिलते हैं, तो उनका रूप बदल जाता है। इस बदले हुए स्वर को 'मात्रा' कहते हैं।

2. 'अ' का कोई मात्रा-चिह्न नहीं होता।

3. 'आ' की मात्रा के पाँच शब्द : माला, काला, हाथ, रात, बात

'ऊ' की मात्रा के पाँच शब्द : दूर, दूध, भूख, फूल, धूल

(ख)

आ	इ	ई	उ	ऊ	ऋ	ए	ऐ	ओ	औ
ा	ि	ी	ु	ू	ृ	े	ै	ो	ौ

विविध

1. कमल कलम जल फल अब

2. व्यंजन के उच्चारण में स्वर की ध्वनि बाद में आती है। जैसे– क – क् + अ

↓

स्वर

अध्याय-5 – शब्द

पेज 38, 39

(क) 1. (ब), 2. (स), 3. (ब), 4. (अ), 5. (ब) 6. (अ)

(ख) 1. निरर्थक 2. सार्थक 3. व्याकरण 4. अर्थ 5. शब्द

(ग)

1.	रथ	पट	चट	चख
2.	नल	अब	टब	
3.	छिड़	चिड़		
4.	चिड़ा	साँप	पंजा	

लिखित:

1. जब सार्थक ध्वनि समूह कोई अर्थ दे, तो वह 'शब्द' कहलाता है।
2. शब्द सार्थक ध्वनियों के योग से बनते हैं।
3. सार्थक शब्द : पानी, खाना

   निरर्थक शब्द : वानी, वाना

विविध:

(क) टब मग बाल्टी झाड़ू ब्रश

(ख) छात्र स्वयं करेंगे।

अध्याय-6 – पर्यायवाची शब्द

पेज 45

(क) 1. जलज 2. दिवाकर 3. जल 4. राकेश 5. अनल

6. सुर 7. भूपु 8. वनराज 9. सदन

पेज 46

(ख)

1.	सरस्वती	वाणी
2.	लक्ष्मी	रमा

3. झंडा　　　　पताका

4. माँ　　　　जननी

5. बादल　　　　मेघ

(ग) घोड़ा, अश्व　　　　कबूतर, कपोत　　　　राजा, नृप

चंद्रमा, राकेश　　　　हाथी, गज　　　　औरत, महिला

बादल, मेघ　　　　झंडा, ध्वज

लिखितः

1. समान अर्थ प्रकट करने वाले शब्द 'पर्यायवाची शब्द' कहलाते हैं।
2. पर्यायवाची शब्दों को समानार्थी शब्द भी कहा जाता है।

विविधः

1. जल, नीर　　　　2. पताका, ध्वज　　　　3. सूर्य, रवि

अध्याय-7 – विलोम शब्द

पेज 51

(क) 1. अमीर　2. अवगुण　3. अपवित्र　4. नफ़रत　5. ठंडा

6. शाम　7. झूठा　8. कल　9. हानि　10. अपयश

(ख) 1. असली　　　　नकली

2. खट्टा　　　　मीठा

3. ज्ञान　　　　अज्ञान

4. आय　　　　व्यय

5. सुबह　　　　शाम

पेज 52

(क) 1. जो शब्द आपस में उल्टे अर्थ का बोध कराए, उन्हें 'विलोम शब्द' कहते हैं।

2. विलोम शब्दों को 'विपरीतार्थी' या 'विपरीतार्थक' शब्द भी कहा जाता है।

(ख) उचित × अनुचित　　　　ऊँचा × नीचा　　　　कठिन × सरल

कोमल × कठोर　　　　नया × पुराना　　　　उपकार × अपकार

उन्नति × अवनति　　　　जीवन × मरण　　　　भारी × हल्का

जीत × हार　　　　धर्म × अधर्म　　　　जल × थल

विविध:

(क) 1. मोटा × पतला   2. लंबा × छोटा   3. अमीर × गरीब
4. उचित × अनुचित   5. अंदर × बाहर

(ख) आज़ादी × गुलामी   एक × अनेक
अपना × पराया   काला × गोरा
इधर × उधर   खरीदना × बेचना
ऊपर × नीचे   ठंडा × गरम

अध्याय-8 – संज्ञा

पेज 56

(क) 1. (स),   2. (अ),   3. (अ),   4. (अ),

(ख) 1. सूर्य   2. पश्चिम   3. गाय   4. राम   5. यमुना

(ग) 1. ✓   2. ✗   3. ✓   4. ✗   5. ✓

(क) 1. आँख   2. नाक   3. कान   4. हाथ   5. पैर   6. पेट
हाँ

लिखित:

1. किसी प्राणी, वस्तु, स्थान, गुण, अवस्था, भाव आदि के नाम को 'संज्ञा' कहते हैं।
2. दिल्ली   कलकत्ता   मुंबई   चेन्नई   पटना

विविध:

पेज 58

(क) 1. चिड़िया   2. कबूतर   3. कौआ   4. कोयल
हाँ, ये सभी संज्ञा हैं।

(ख) 1. चीन   2. भारत   3. नेपाल   4. भूटान
हाँ, ये सभी संज्ञा हैं।

(ग) संज्ञा शब्द:
गाय   तरबूज   खीरा   रवि   गंगा   बहिन
भाई   स्वेटर   मोहर   कोट   कोयल

अध्याय-9 – लिंग

पेज 62

(क) 1. (अ), 2. (ब), 3. (ब)

(ख) 1. मोरनी 2. सेवक 3. मालिन 4. सेठानी

(ग) 1. ✓ 2. ✗ 3. ✗ 4. ✓ 5. ✓

(घ) 1. शिष्या ने अध्यापक से प्रश्न पूछा।

2. घोड़ी तेज़ दौड रही थी।

3. मामी जी आई हैं।

4. सबने दादी जी को प्रणाम किया।

5. मैं सुनारिन के पास गई थी।

लिखित:

1. शब्द का वह रूप, जो संज्ञा के पुरुष या स्त्री जाति होने का बोध कराए, 'लिंग' कहलाता है।
2. जिन शब्दों से पुरुष जाति का बोध होता है, वे 'पुल्लिंग' कहलाते हैं। जैसे: घोड़ा, हाथी, लड़का, बालक आदि।
3. जिन शब्दों से स्त्री जाति का बोध होता है, वे 'स्त्रीलिंग' कहलाते हैं। जैसे: औरत, लड़की, बालिका, हथिनी आदि।

विविध:

(क) तोता, भालू, मच्छर, खरगोश

(ख) तितली, गिलहरी, कोयल, मक्खी

(ग) स्वयं करें।

लक्ष्मण	पुल्लिग
कछुआ	पुल्लिग
टमाटर	पुल्लिग
कटहल	पुल्लिग
लकड़ी	स्त्रीलिंग
मटर	पुल्लिग
आम	पुल्लिग

अध्याय-10 – वचन

पेज 68

(क) i. (घ), ii. (ङ), iii. (च), iv. (छ), v. (क)
vi. (ख), vii. (ग)

पेज 69

(क)	1. मक्खियाँ	2. साडियाँ	3. डालियाँ	4. तोते	5. कुल्हाड़ियाँ
	6. थैले	7. पपीते	8. जूते	9. डिब्बे	10. बेटे
(ख)	1. खीरा	2. तितली	3. दरवाज़ा	4. आँख	5. मेला
	6. लड़का	7. बच्चा	8. औरत	9. घड़ी	10. घड़ा

पेज 70

1. एकवचन के शब्द
   सब्ज़ी, लकड़ी, धोती, तोता, कमरा
2. बहुवचन के शब्द
   किताबें, दवाइयाँ, लकड़ियाँ, खिलौने, चूड़ियाँ, चिड़ियाँ

अध्याय-11 – सर्वनाम

पेज 73

(क)	1. (ग)	2. (ख)	3. (ग)		
(ख)	1. मैं	2. मुझे	3. मेरा	4. उसकी	5. तुम्हें
(ग)	1. मुझे	2. तुम	3. कौन	4. आप	5. अपने आप

(घ) स्वयं करें।

लिखित:

(क) जो शब्द नाम के स्थान पर प्रयुक्त होते हैं, वे सर्वनाम कहलाते हैं।

(ख) मैं, तुम, वह, हम, आपका

विविध:

<u>वह</u> साइकिल से विद्यालय जाता है। <u>उसके</u> दो मित्र हैं। <u>वह</u> पढ़ाई में होशियार है। <u>उसके</u> पिताजी सरकारी अफ़सर हैं। <u>उसकी</u> माता जी अध्यापिका हैं।

अध्याय-12 – विशेषण

पेज 80

(क) 1. (अ) 2. (ब) 3. (ब) 4. (अ) 5. (अ)

(ग) 1. ✓ 2. ✗ 3. ✗ 4. ✓ 5. ✓

(ग) लाल कोट सुंदर फ्रॉक गोल जलेबी गरम चाय
दो केले खुशबूदार फूल चमकीले तारे हरी सब्ज़ी

लिखित:

(क) संज्ञा की विशेषता बताने वाले शब्द 'विशेषण' कहलाते हैं।

(ख) लंबा, मोटा, सुंदर, मेहनती, ऊँचा

विविध:

गरम चाय सफ़ेद दूध सुंदर लड़की प्यारी बिल्ली स्वादिष्ट खाना

अध्याय-13 – क्रिया

पेज 84

(क) 1. (स) 2. (स) 3. (स) 4. (स)

(ख) 1. रँभाती 2. फुफकारता 3. चहचहाती 4. हिनहिनाता 5. टर्राता

(ख) 1. द 2. य 3. अ 4. ब 5. स

लिखित:

(क) जिस शब्द से किसी कार्य का करना या होना प्रकट होता है, उसे 'क्रिया' कहते हैं।

(ख) 1. हँसना सेहत के लिए अच्छा होता है।
2. सीमा गाना गा रही थी।
3. रोहन और पढ़ना चाहता है।

विविध:

(क) 1. लड़का लिख रहा है।
2. लड़की रस्सी टाप रही है।
3. रीना बुनाई कर रही है।
4. घोड़ा हिनहिना रहा है।

5. पक्षी उड़ रहा है।

6. रवि गेंद फेंक रहा है।

7. राहुल पतंग उड़ा रहा है।

(ख) स्वयं करें।

क्रियापद: धोना, रोना, पढ़ना, खाना, गाना

अध्याय-14 – वाक्य-रचना

पेज 87

चित्र 1. लोग आग सेक रहे हैं।

चित्र 2. सुंदर गुब्बारे लगे हैं।

चित्र 3. इन्हें नुकसान मत पहुँचाओ।

चित्र 4. तुम्हारी लंबी उम्र हो।

चित्र 5. नहीं, कोई गुब्बारा नहीं मिलेगा।

चित्र 6. देखो, वह मेरा पर्स चुराकर भाग रहा है।

अध्याय-15 – कहानी लेखन

बुद्धि का उपयोग

पेज 95

एक समय की बात है। दो बकरियाँ थीं। एक दिन वे दोनों साथ साथ घास चरकर वापस घर की ओर लौट रही थीं। मार्ग में एक सँकरा पुल था। उस पुल पर एक समय में केवल एक ही बकरी के चलने का मार्ग था। बीच में आकर दोनों बकरियाँ आमने-सामने खड़ी एक-दूसरे को गुस्से से देखने लगी तथा दोनों पुल को पहले पार करने के लिए लड़ने-झगड़ने लगीं। पर, जल्दी ही उन्हें यह बात समझ आ गई, कि इस तरह लड़ने से कोई हल नहीं निकलेगा। एक बकरी को उपाय सूझा, कि वह बैठ जाएगी और दूसरी उसके ऊपर होकर पुल पार कर लेगी। बस, फिर क्या था! दोनों ने अपनी सूझ-बूझ से बड़ी आसानी से पुल पार कर लिया।

शिक्षा- सूझ-बूझ से हर परेशानी का हाल निकाला जा सकता है।

घमंडी की हार

एक बार की बात है। एक खरगोश और एक कछुए में मित्रता हो गई। खरगोश को अपनी तेज चाल पर बहुत घमंड था। वह हमेशा कछुए को उसकी धीमी चाल के लिए चिढ़ाता

रहता था और उसे दौड़ लगाने के लिए उकसाता था। एक दिन एक बंदर ने उनके बीच में दौड़ तय की। जब दौड़ आरंभ हुई, तो खरगोश खूब तेज़ी से दौड़ता चला जा रहा था। उधर कछुआ अपनी धीमी चाल से दौड़ रहा था। खरगोश जब कछुए से काफ़ी आगे निकल गया, तो उसने सोचा– ''अभी तो कछुआ मुझसे बहुत पीछे है, क्यों न पेड़ की छाया में थोड़ा आराम किया जाए।'' यह सोचकर वह आराम से पेड़ के नीचे लेट गया। उसे पता ही नहीं चला, कब उसे नींद आ गई। कछुआ धीरे-धीरे चलता रहा और अपने लक्ष्य पर पहुँच गया। खरगोश देर से पहुँचा और अपनी हार पर बहुत शर्मिंदा हुआ।

शिक्षा- घमंड करने वाले की हमेशा हार होती है।

ज्ञान सरोवर हिंदी व्याकरण

YBPL

YELLOW BIRD PUBLICATIONS PVT. LTD.

EDUCATIONAL PUBLISHER

Regd. Off. : F-214, Laxmi Nagar, Delhi-110 092
Tel. : 91-11-4758 6784, 91-97116 18765
E-mail : yellowbirdpublications@gmail.com • info@yellowbirdpublications.com
Website : www.yellowbirdpublications.com